ई-संदेश

25 सितम्बर, 2025 | अंक 172

सात दिन – सात पृष्ठ

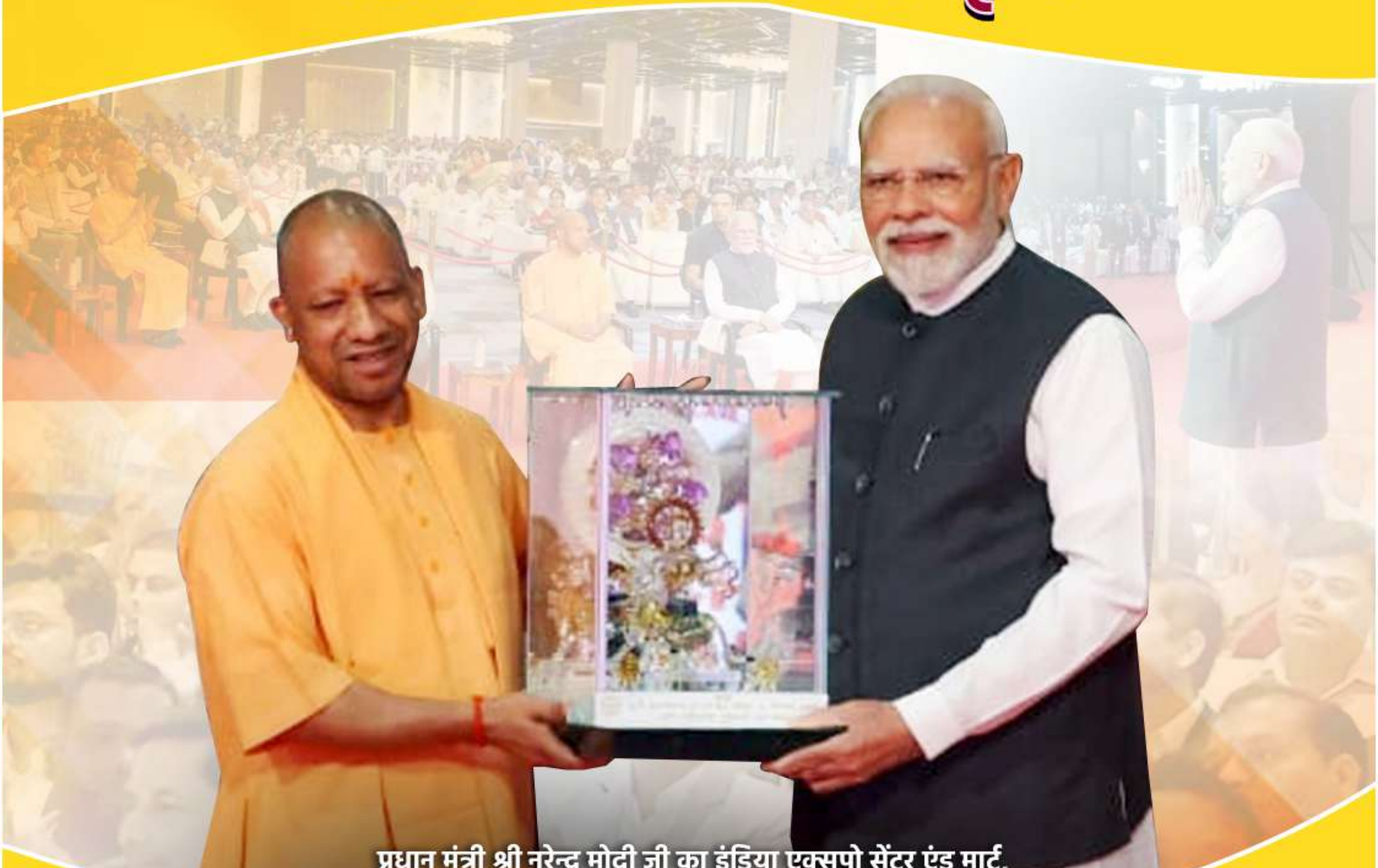

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट,
ग्रेटर नोएडा में आयोजित 'ए.पी. इण्टरनेशनल ट्रेड शो-3.0' में स्वागत करते
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

- टैक्स रिबेट देशवासियों को दीपावली का उपहार : मुख्यमंत्री
- पं0 दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय के प्रणेता तथा एकात्म मानव दर्शन के प्रखर वक्ता थे : मुख्यमंत्री
- यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए : मुख्यमंत्री
- आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में हर जनपद, हर गांव और हर नगर निकाय सहभागी बनेगा : मुख्यमंत्री
- नारी को जब भी अवसर मिला, हर स्तर पर नारी ने बेहतरीन नेतृत्व दिया : मुख्यमंत्री
- अच्छी पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी साथी हैं: मुख्यमंत्री

बिकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश हमारे पूर्वजों के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री

- समाज के सभी तबकों के लिए विकसित भारत चर्चा-परिचर्चा का विषय बनना चाहिए : मुख्यमंत्री
- ड्रगिस्ट्स, केमिस्ट्स एवं फार्मा क्षेत्र के सभी व्यवसायी समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें : मुख्यमंत्री
- भारत का पैसा भारत के कारीगरों, हस्तशिल्पियों और युवाओं के हाथों में जाना चाहिए : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज ग्रेटर नोएडा के इण्डिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 'यू0 पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-3.0' का उद्घाटन किया।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 25 सितम्बर 2025 को नोएडा के एक्सपो मार्ट में जापानी प्रतिनिधि मंडलो ने मुलाकात कर वैश्विक सम्बन्धों को मजबूती प्रदान की।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी नोएडा एक्सपो मार्ट में रूस के प्रतिनिधिमंडल के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता पर वार्ता करते हुए।

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

टैक्स रिबेट देशवासियों को दीपावली का उपहार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 18 सितम्बर, 2025 को लखनऊ में पत्रकारों से वार्ता करते हुए जी0एस0टी0 काउंसिल द्वारा घोषित टैक्स रिबेट के बारे में चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जी0 एस0टी0 काउंसिल द्वारा घोषित टैक्स रिबेट शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन 22 सितम्बर, 2025 से लागू होंगे। यह टैक्स रिबेट प्रधानमंत्री जी का देशवासियों को दीपावली का उपहार है। हाल ही में जी0एस0टी0 काउंसिल द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय से अब केवल 05 प्रतिशत व 18 प्रतिशत की जी0एस0टी0 दरें ही प्रभावी रहेंगी। 12 प्रतिशत व 28 प्रतिशत की टैक्स दरों को समाप्त कर दिया जाएगा। इसके माध्यम से देशवासियों को हर स्तर पर बहुत बड़ी राहत मिलेगी। खेत से लेकर रसोई तक आमजन, किसान, उद्यमी इत्यादि को इसका भारी लाभ प्राप्त होगा। आमजन को इस टैक्स रिबेट के माध्यम से टैक्स में भारी छूट मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जी0एस0टी0 काउंसिल ने अभी हाल ही में 03 सितम्बर, 2025 को अपनी 56वीं बैठक में इस विषय पर चर्चा के उपरान्त सर्वसम्मति से इसका अनुमोदन किया। यह टैक्स रिबेट की घोषणा अब तक के टैक्स रिफॉर्म अभियान में सबसे महत्वपूर्ण है। टैक्स रिफॉर्म से आमजन को विभिन्न सेक्टर्स में बड़े पैमाने पर टैक्स में छूट मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जुलाई, 2017 में देश में जी0एस0टी0 को लागू किया गया था।आजादी के बाद टैक्स रिफॉर्म के क्षेत्र में जी0एस0टी0 फेडरल स्ट्रक्चर का एक बेहतरीन मॉडल साबित हुआ है।जी0एस0टी0 में टैक्स दरें 05 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत प्रभावी की गयीं थीं।अब जी0एस0टी0 काउंसिल द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय के उपरान्त केवल 05 प्रतिशत व 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 दरें ही प्रभावी रहेंगी।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विलासिता और लग्जरी सामानों पर 40 प्रतिशत की दर रखी गयी है। इसके माध्यम से देशवासियों को हर स्तर पर बहुत बड़ी राहत मिलेगी। आमजन, किसान, उद्यमी इत्यादि को इसका बहुत लाभ प्राप्त होगा। आमजन को दूध, दही, पनीर, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, साईकिल और बच्चों से जुड़े सामान पर अब केवल 05 प्रतिशत या जीरो टैक्स लगेगा। इससे लोगों के रोजमर्रा के खर्च में कमी आएगी, बचत बढ़ेगी तथा उपभोक्ता सामानों की मांग में वृद्धि होगी। इसी प्रकार अन्नदाता किसानों के लिए ट्रैक्टर, टायर, कीटनाशक और सिंचाई उपकरण पर टैक्स दर को घटाकर 05 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे खेती की लागत कम होगी और ग्रामीण भारत को सीधा लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जी0एस0टी0 को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। दवाओं, ऑक्सीजन और जांच किट पर टैक्स में बड़ी कटौती की गयी है, ताकि इलाज सभी के लिए सस्ता हो सके।

फोर-व्हीलर और टू-व्हीलर वाहनों पर प्रभावी 28 प्रतिशत जी0एस0टी0 दर को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है। अर्थात 10 प्रतिशत की कटौती की गयी है। इससे वाहन खरीदारों को लाभ मिलेगा और रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे। नोटबुक, पेंसिल, नक्शे, इत्यादि शिक्षण सामग्रियों पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। लग्जरी व विलासिता के सामानों पर जैसे-तम्बाकू, पान मसाला, कसीनों, एस0यू0वी0 इत्यादि पर 40 प्रतिशत का टैक्स लगाया जाएगा। व्यापार में आसानी करने के लिए टैक्स रजिस्ट्रेशन को ऑटो मोड पर किया गया है और ऑटो अप्रूव करने की व्यवस्था की गयी है। टैक्स रिफंड करने की सुविधा भी दी गयी है। रिस्क आधारित कम्प्लायन्स से एम0एस0एम0ई0, निर्यातकों और श्रम प्रधान क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी। जी0 एस0टी0 लागू होने के बाद पहली बार इतने बड़े पैमाने पर इन सभी सेक्टर्स में सुधार से सामान्य नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जी0एस0टी0 की 04 टैक्स स्लैब की तुलना में 02 टैक्स स्लैब होने से सामान्य घरेलू उपभोक्ता वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। मार्केट में लोगों का विश्वास बढ़ेगा। प्रोडक्शन अधिक होगा, इससे इम्प्लॉयमेण्ट को बढ़ाने में मदद मिलेगी। अर्थात् जब जीवन आसान होगा तो व्यापार भी आसान होगा, व्यापार आसान होगा तो मार्केट में खुशहाली आएगी और मार्केट में खुशहाली आने से रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। अनुमानतः देश की जी0डी0पी0 में 0.2 से 0.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी। बड़े-बड़े हाईवे और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट के साथ-साथ कारोबारी गतिविधियों में वृद्धि होगी। भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की ग्रोथ होने की सम्भावना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य होने के साथ सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी है। वर्ष 2017 में प्रदेश को सेल टैक्स, वैट, सेस, आदि मिलाकर 49 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता था। जबकि गत वर्ष उत्तर प्रदेश को स्टेट जी0एस0टी0 से 1.15 लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 08 वर्षों में प्रदेश ने अपने वित्तीय प्रबन्धन को बेहतरीन किया है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफ0आर0बी0एम0 लिमिट के अन्दर ही उत्तर प्रदेश ने सबसे तेजी के साथ अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश बीमारु राज्य से निकलकर अपने अनलिमिटेड पोटेंशियल के माध्यम से देश के ग्रोथ इंजन के रूप में स्वयं को स्थापित करने में सफल रहा है। डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रदेश के पात्र व्यक्तियों को बिना भेदभाव कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया है।

उपभोक्ता वस्तुओं में जीरो से 05 प्रतिशत तक टैक्स स्लैब को रखा गया है। इसमें सर्वाधिक आबादी का राज्य होने के नाते सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगा। प्रदेश में सर्वाधिक किसान हैं। किसानों से सम्बन्धित सभी उपकरणों ट्रैक्टर से लेकर सिंचाई पाइप तक सभी में सम्बन्धित टैक्स स्लैब में व्यापक परिवर्तन एवं छूट मिलने से किसानों की क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। खेती की लागत में कमी आएगी और उत्पादन में वृद्धि होगी। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। देश में उत्तर प्रदेश का किसान मेंथा अर्थात पिपरमेंट की सर्वाधिक खेती करता है। सिंथेटिक पिपरमेंट के आने से उत्तर प्रदेश के किसान प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे थे। ऑर्गेनिक रुप से बनने वाले पिपरमिण्ट पर टैक्स की दर 05 प्रतिशत होगी और सिंथेटिक तरीके से बनने वाले पिपरमिण्ट पर टैक्स की दर 18 प्रतिशत होगी। इससे ऑर्गेनिक प्रोडक्ट की मांग बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आगरा एवं कानपुर फुटवियर के हब हैं। 2,500 रुपये तक के फुटवियर पर जी0एस0टी0 की दर को कम करते हुए 05 प्रतिशत किया गया है। इससे यहां के चमड़ा एवं जूता उद्योगों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। लोगों को यह सभी वस्तुएं सस्ते दामों पर प्राप्त होंगी। इन क्षेत्रों में नए उत्पादों की मांग बढ़ने से रोजगार का सृजन भी होगा। 2,500 रुपये तक के रेडीमेड कपड़ों में भी जी0एस0टी0 दर को 05 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे लोगों को सस्ती दर पर कपड़े मिल सकेंगे। साथ ही रेडीमेड गारमेंट हब के रुप में उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं नए रोजगार सृजन करने में मदद मिलेगी। टैक्स रिबेट मिलने पर हस्तशिल्पियों और कारीगरों द्वारा निर्मित वस्तुओं पर जी0एस0टी0 दर केवल 05 प्रतिशत होगी। परिणामस्वरुप ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े हस्तशिल्पियों और कारीगरों के साथ-साथ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। बाजार में वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और रोजगार का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जी0एस0टी0 लागू होने के बाद प्रयास किया गया कि रजिस्ट्रेशन दर को बढ़ाया जाए। परिणामस्वरुप जी0एस0टी0 संग्रह बढ़ा। व्यापारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराने वाले प्रत्येक व्यापारी को 10 लाख रुपये तक का सुरक्षा बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2017-18 से लेकर अब तक 1,663 व्यापारी परिवारों को 152 करोड़ रुपये से अधिक बीमा राशि का वितरण किया गया है। वर्ष 2025-26 में 201 परिवारों को 20 करोड़ रुपये से अधिक की बीमा राशि प्रदान की गई है। प्रत्येक वर्ष दानवीर भामाशाह जी की जयंती के अवसर पर 29 जून को व्यापारियों को प्रदेश तथा जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाता है।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय के प्रणेता तथा एकात्म मानव दर्शन के प्रखर वक्ता थे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 सितम्बर, 2025 को दीनदयाल उपाध्याय धाम, नगला चन्द्रभान, फरह, जनपद मथुरा में आयोजित पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला व विराट युवा सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय ऐसे महापुरुष हैं, जिन्होंने स्वतन्त्र भारत को भारत और भारतीयता के उन पक्षों से अवगत कराया, जिस पर विकसित भारत की आधारशिला टिकी है। वे अंत्योदय के प्रणेता तथा एकात्म मानव दर्शन के प्रखर वक्ता थे। उन्होंने 1950 व 1960 के दशक में भारत के राजनीतिक नेतृत्व को जो जीवन दृष्टि दी, उसी के परिणामस्वरूप हम सबने बदलते भारत को देखा है।

मुख्यमंत्री जी ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की पावन स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि तहसील महावन के ग्राम नगला-अकोस मार्ग पर नये पुल का निर्माण शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मभूमि स्मारक समिति के पर्यटन केन्द्र में अतिथि भवन का निर्माण तथा पंडित जी की कुटिया को सोलर लाइट लगाकर ग्रीन एनर्जी से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी ने 1950 के दशक में स्वतन्त्र भारत के राजनीतिक नेतृत्व को प्रखरता प्रदान की थी। उनका सूत्रवाक्य 'हर हाथ को काम, हर खेत को पानी' था। उनका मानना था कि अर्थनीति का आधार स्वदेशी होना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का पैमाना सबसे ऊंचे पायदान पर बैठे व्यक्ति से नहीं, बल्कि समाज के सबसे निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति से की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में 'वोकल फॉर लोकल' व स्वदेशी के मंत्र के माध्यम से पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना साकार हो रहा है। भारत का यह मॉडल प्रत्येक क्षेत्र में पूरी दुनिया के लिए नई प्रेरणा है। विगत 11 वर्षों में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज भारत की गिनती दुनिया की टॉप-04 अर्थव्यवस्था में की जाती है तथा अगले वर्ष तक यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने के असम्भव कार्य को प्रधानमंत्री जी ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के मन्त्र को आत्मसात करके सम्भव बनाया है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के मन्त्र में असम्भव को सम्भव बनाने का मन्त्र छिपा हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के नागरिक आगामी त्योहारों, जन्मदिन, शादी समारोह आदि में अपने अतिथियों व मित्रों को स्थानीय हस्तशिल्पियों व कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों को उपहार के रूप में दें। इससे स्वदेशी की भावना को बल मिलेगा और उसका मुनाफा हमारे स्थानीय हस्तशिल्पियों व कारीगरों को प्राप्त होगा। यदि मथुरावासी दीनदयाल धाम में बने गो-उत्पादों को उपहारस्वरूप देते हैं, तो इससे मुनाफा बढ़ने के साथ यहां के उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा, साथ ही गो-रक्षा का कार्य भी होगा। फिरोजाबाद के ग्लास की प्रतिकृति, दीपावली के अवसर पर दीनदयाल धाम में निर्मित दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा व औषधियां को खरीदते हैं, तो इससे रोजगार सृजन होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के अन्तर्गत 96 लाख यूनिट क्रियाशील हैं। इससे 02 करोड़ से अधिक लोगों को नौकरी और रोजगार की गारण्टी मिली है। प्रधानमंत्री जी ने देश में एक मॉडल के रूप में स्टार्टअप के नए ईकोसिस्टम को आगे बढ़ाया है। भारत स्टार्टअप के ईकोसिस्टम में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बना है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय धाम में निर्मित उत्पाद भी एक प्रकार का स्टार्टअप है, जिसे आगे बढ़ाना है। इससे एक नई कार्य संस्कृति विकसित होगी, जिससे लोगों के जीवन में नई उर्जा का संचार होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के 70 वर्ष पूर्व देखे गये ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने में सफलता मिली है। प्रदेश में युवाओं के लिए पी0एम0 इंटर्नशिप योजना संचालित की जा रही है। युवाओं व कार्मिकों के शोषण को रोकने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने हाल ही में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मियों को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी है। इस गारंटी के तहत उन्हें न्यूनतम 16 से 20 हजार रुपए मिलेंगे।

यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 में प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 सितम्बर, 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश अन्तरराष्ट्रीय ट्रेड शो-2025 की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को आयोजन की तैयारी, सुरक्षा, व्यवस्थापन और प्रतिभागियों की सुविधा की दृष्टि से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध परम्परा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ-साथ 'वोकल फॉर लोकल' और मेक इन इण्डिया अभियान को बढ़ावा देगा। उन्होंने युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने, खादी व ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने और विदेशी बायर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो-2025 में प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जनपद के 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओ0डी0ओ0पी0) से जुड़े उत्पादों के विशेष स्टॉल स्थापित किए जाएं, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, व्यंजन और उद्योग सम्बन्धी उत्पादों को वैश्विक खरीददारों और निवेशकों के सामने प्रदर्शित किया जा सके। यह ट्रेड शो केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की विविधता, सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक प्रतिभा को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

मुख्यमंत्री जी ने यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो-2025 की पहचान को मजबूत करने के लिए प्रदेश के सभी जनपदों और शैक्षणिक संस्थानों में इसकी व्यापक ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं और छात्रों को आयोजन के महत्व से अवगत कराना और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थान अपने कैम्पस में यू0पी0आई0टी0एस0 के पोस्टर, डिजिटल डिस्प्ले और इवेंट की जानकारी साझा करेंगे, जिससे छात्र, फैकल्टी और स्थानीय समुदाय सीधे इस आयोजन से जुड़ सकें और युवाओं में उद्यमिता तथा नवाचार के प्रति जागरुकता बढ़े। उन्होंने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इस आयोजन से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि इससे युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और रोजगार/उद्यमिता के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो के अन्तर्गत आयोजित होने वाले फैशन शो में देशभर की फिल्म सिटी से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इससे न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और पारम्परिक उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवा डिजाइनर्स और स्थानीय कारीगर भी नए अवसरों और बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो में आने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। इसके तहत नासा पार्किंग स्थल से शटल सेवा उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें सहज और आरामदायक तरीके से आयोजन स्थल तक पहुंचने में मदद मिल सके। सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और स्वागत पूर्ण अनुभव प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री जी ने विदेशी बायर्स और मेहमानों की सुरक्षा, आवास, परिवहन और सम्पूर्ण रहन-सहन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विदेशी मेहमानों को सहज, सुरक्षित और स्वागतपूर्ण अनुभव मिलना चाहिए, जिससे उत्तर प्रदेश की छवि मजबूत हो।

आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में हर जनपद, हर गांव और हर नगर निकाय सहभागी बनेगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 19 सितम्बर, 2025 को पं0 दीनदयाल ऑडिटोरियम, नेहरु नगर जनपद गाजियाबाद में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश / 2047' के लिए सुझाव आमंत्रण एवं जन-जागरुकता कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर पूर्व सांसद प्रो0 रमेश चन्द्र तोमर द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में देशवासियों को विकसित भारत का विजन दिया है।मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व व कृतित्व के समग्र दर्शन कराने वाली कृति 'भारतवर्ष की स्वर्णआभा नरेन्द्र मोदी' पुस्तक की रचना करने के लिए प्रो0 रमेश चन्द्र तोमर को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के 11 वर्षों की विकास यात्रा के दौरान बदलते हुए भारत को इस कृति के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की प्रगति गाथा को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने 'आत्मनिर्भर भारत' थीम दी है। भारत तब विकसित होगा, जब वह आत्मनिर्भर होगा। भारत विकसित और आत्मनिर्भर तब होगा, जब उत्तर प्रदेश विकसित और आत्मनिर्भर होगा। उत्तर प्रदेश विकसित और आत्मनिर्भर तब होगा, जब गाजियाबाद विकसित और आत्मनिर्भर होगा। इस यात्रा में हर जनपद, हर गांव और हर नगर निकाय सहभागी बनेगा। इसके लिए हमें अभी से आगामी 05 वर्ष, 10 वर्ष एवं 22 वर्ष में अचीव करने वाले लक्ष्यों के सम्बन्ध में योजनाएं बनानी पड़ेगी। इसके लिए 12 सेक्टर तय किए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में हमें तकनीक का उपयोग करना होगा। डिजिटल इंडिया ने भारत के युवाओं को एक नया प्लेटफॉर्म प्रदान किया है। यह हमारी विकास की यात्रा का एक हिस्सा है। इसने रोजगार के अनेक अवसर प्रदान किए हैं। युवाओं को यह तय करना है कि विकास की इस यात्रा को किस प्रकार आगे बढ़ाएं कि उनके सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे सामने अनेक अवसर है। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी को शिक्षा के क्षेत्र में अपनाकर विश्वस्तरीय संस्थाओ को देश में स्थापित किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में छात्र और शिक्षक मिलकर तय कर सकते हैं। इससे सम्बन्धित सुझाव में आगामी 05 वर्ष, 10 वर्ष और देश की आजादी के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों की कार्ययोजना शामिल हो। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्य किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एक वृहद क्षेत्र है। वर्तमान में मॉडर्न मेडिकल की फैसिलिटी के साथ आयुष के रूप में ट्रेडिशनल मेडिसिन की सुविधा भी है। अभी तक व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से डॉक्टर के समक्ष उपस्थित होता है। अब टेली कंसल्टेशन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का और अधिक उपयोग किया जाएगा। मॉडर्न मेडिसिन के क्षेत्र में 05 वर्ष, 10 वर्ष और आगामी 22 वर्षों की कार्ययोजना के बारे में सुझाव दिए जाने चाहिए। आयुष का क्षेत्र भी बहुत बड़ा है। इसके बारे में भी सुझाव आने चाहिए। इसी प्रकार अधिवक्तागण भी अपने क्षेत्र के बारे में सुझाव दें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि टेक्नोलॉजी किसी को भी बेरोजगार नहीं करती है। जब कम्प्यूटर आया था, तब भी आशंका थी

कि इससे बेरोजगारी बढ़ेगी। लेकिन कम्प्यूटर ने लोगों को आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान किए। प्रत्येक टेक्नोलॉजी नए क्षेत्र प्रदान करती है। हम टेक्नोलॉजी को किस रूप में लेते हैं, यह हम पर निर्भर करता है। कृषि एवं जल संसाधन क्षेत्र में भी बहुत कुछ सम्भव है। विश्व की सबसे उर्वरा भूमि उत्तर प्रदेश में है। अभी प्रदेश के किसान कृषि क्षेत्र में तकनीक का उपयोग कम कर रहे हैं। यदि किसान तकनीक का उपयोग करें, तो कृषि की लागत को कम करके, उत्पादकता को तीन गुना बढ़ाने की सामर्थ्य प्रदेश की धरती रखती है। जल प्रबंधन को बेहतर करने की दृष्टि से और नदियों के संरक्षण के विषय में भी योजनाएं बनानी होंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शहरीकरण, औद्योगिक विकास, परम्परागत उद्यम, सेवा क्षेत्र एवं पर्यटन क्षेत्र में बहुत सी संभावनाएं हैं। स्पिरिचुअल टूरिज्म, ईको टूरिज्म व हेरिटेज टूरिज्म के रूप में भारत में विभिन्न प्रकार की पर्यटन संभावनाएं हैं। विभिन्न टूरिज्म क्षेत्रों के अलग-अलग स्पॉट स्थापित किए जा सकते हैं। इस दिशा में बेहतर सुझाव आने चाहिए। सरकार और निजी क्षेत्र मिल कर पी0पी0पी0 मोड पर भी इस कार्य को आगे बढ़ा सकते हैं। सभी 12 सेक्टर के विषय में लोगों के मन में जो भी सुझाव आएं, वह समर्थ यू0पी0 पोर्टल तथा क्यू0आर0 कोड के माध्यम से हमें दे सकते हैं। विकसित उत्तर प्रदेश हेतु सभी 12 सेक्टरों के लिए प्रदेश के सभी जनपदों से प्राप्त सबसे अच्छे तीन सुझावों को सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश स्तर पर सर्वश्रेष्ठ पांच सुझावों को लखनऊ में एक बड़े समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जो व्यक्ति पोर्टल अथवा क्यू0आर0 कोड के माध्यम से अपने सुझाव नहीं दे सकता है, वह उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र के माध्यम से भी अपने सुझाव भेज सकता है। प्रदेश सरकार को आप सभी के सुझावों का इंतजार है। उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने तथा इसे विकसित उत्तर प्रदेश के रूप में स्थापित करने की इस यात्रा में हम सभी को सहभागी बनना पड़ेगा। यह हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए एक अवसर है तथा भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

नारी को जब भी अवसर मिला, हर स्तर पर नारी ने बेहतरीन नेतृत्व दिया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में 'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' की थीम के साथ 'मिशन शक्ति 5.0' का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2020 में 'मिशन शक्ति अभियान' नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के ध्येय के साथ शुरू किया गया था। इसके तहत नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम आज सबके सामने हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय समाज प्राचीन काल से जागरूक रहा है। वैदिक कालखण्ड से अब तक नारी को जब भी अवसर मिला, उसने अपनी सशक्त उपस्थिति से नेतृत्व को आगे बढ़ाने में कोई कोताही नहीं बरती। हर स्तर पर नारी ने बेहतरीन नेतृत्व दिया है। उस बेहतरीन नेतृत्व के माध्यम से जिन लक्ष्यों को प्राप्त किया गया, वह समाज के अनुकूल व कल्याणकारी रहा है। राज्य सरकार इसीलिए मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'मिशन शक्ति 5.0' चरणबद्ध रूप से एक माह तक चलेगा, इसके उपरान्त इसे आगे तीन माह तक विस्तारित किया जाएगा। कल 21 सितम्बर को हर जनपद में महिला पुलिस कार्मिकों की बाइक रैली निकालकर मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण का औपचारिक उद्घाटन होगा। आगामी 22 सितम्बर से शारदीय नवरात्रि शुरु हो रही है। इस दौरान मन्दिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएं। अराजक तत्वों, शोहदों से सख्ती से निपटें। सार्वजनिक स्थलों, स्कूल, कॉलेजों में हमें मिशन शक्ति अभियान तेजी से आगे बढ़ाना होगा। तदोपरान्त इस अभियान को थाने, मन्दिर, मार्केट, स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों आदि जगहों में चलाया जाए।

मिशन शक्ति अभियान के 5वें चरण के कार्यों को गृह विभाग व अन्य सम्बन्धित विभाग बेहतर ढंग से आगे बढ़ाएं। इसके लिए 'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' नामक फोल्डर, महिला सुरक्षा व अन्य कार्यों से सम्बन्धित हेल्प लाइन नम्बर व मिशन शक्ति केन्द्रों के बारे में एस0ओ0पी0 सम्बन्धी लिटरेचर का यहां पर विमोचन किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा के सम्बन्ध में तथा केन्द्र व राज्य सरकार की महिला केन्द्रित योजनाओं की जानकारी इस फोल्डर में दी गयी है। हर बेटी, महिला को पता चलना चाहिए कि उनके कल्याण के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कार्य किये जा रहे हैं और वह इनसे किस प्रकार लाभान्वित हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला जागरूकता सम्बन्धी यह फोल्डर स्कूल, कॉलेजों, जनपद मुख्यालयों, तहसीलों, ब्लॉक स्तर पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं व बेटियां अपनी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के सम्बन्ध में जागरूक हो सकें। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी आपातकालीन सेवाओं जैसे-वीमेन पावर हेल्पलाइन-1090, पी0आर0वी0-112 की आपातकालीन सेवा, सी0एम0 हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस सेवा-102, एम्बुलेन्स सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, घरेलू हिंसा महिला हेल्पलाइन-181 इत्यादि के इण्टीग्रेशन की ओर हम आगे बढ़ चुके हैं। मिशन शक्ति केन्द्रों के बारे में एस0ओ0पी0 जारी की गयी है। अब हर थाने में मिशन शक्ति केन्द्र होगा। हर थाने में स्थापित महिला हेल्पडेस्क में महिला बीट पुलिस अधिकारी हर समय महिलाओं की सहायता के लिए कार्य करेंगी।

'सशक्त नारी-समृद्ध प्रदेश' फोल्डर को लेकर महिला बीट पुलिस अधिकारी हर ग्राम पंचायत, वॉर्ड में जाएं और लोगों को इसके बारे में जागरूक करें। इस दौरान महिला बीट पुलिस अधिकारी, आशा वर्कर्स, ए0एन0एम0, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, रोजगार सेवक, ग्राम विकास अधिकारी, पंचायत सहायक, लेखपाल जैसे कार्मिक उपस्थित रहें और लोगों से संवाद बनाएं तथा उनकी समस्याओं का समाधान भी करें। इसके लिए जिला प्रशासन को संवेदनशील बनना होगा तथा मामलों का त्वरित समाधान करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर जनपद में मिशन शक्ति के 5वें चरण के मासिक व त्रैमासिक कार्यों की समीक्षा की जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, समाज सेवा, विकास कार्यों इत्यादि क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बेटियों व महिलाओं को सम्मानित करने का कार्य जनपद स्तर व प्रदेश स्तर पर होना चाहिए। अच्छा कार्य करने वाली इन बेटियों व महिलाओं की सूची शासन को समय से उपलब्ध करायी जाए, ताकि एक बड़े समारोह में इन्हें सम्मानित किया जा सके। यह बेटियां व महिलाएं आधी आबादी के लिए नयी प्रेरणा व रोल मॉडल होंगी।

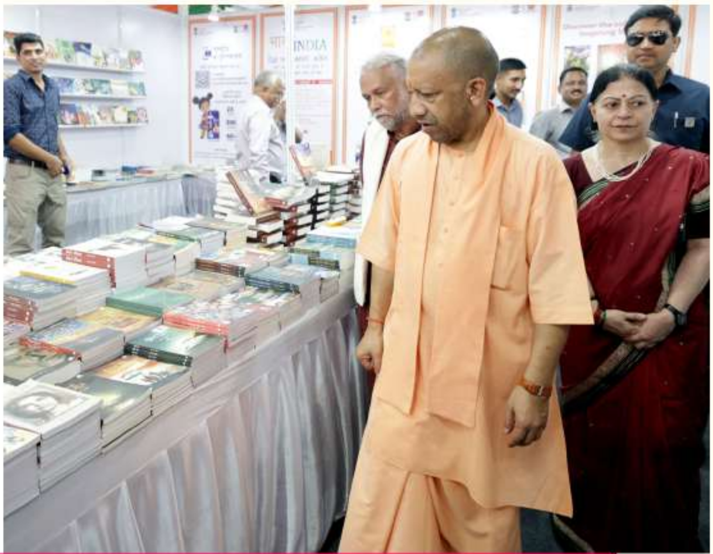

अच्छी पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी साथी हैं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक महोत्सव के चतुर्थ संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रांगण में 20 से 28 सितम्बर, 2025 तक आयोजित इस पुस्तक मेला में पुस्तक प्रेमियों के महाकुम्भ को देखने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को कम से कम एक पुस्तक अवश्य खरीदनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय मनीषा के ज्ञान की अवधारणा बहुत विराट है। भारतीय मनीषा ने शब्द को ब्रह्म माना है, ब्रह्म ही सत्य है। भारतीय ऋषि कहते हैं कि ब्रह्म से उत्पन्न विचार कभी समाप्त नहीं हो सकते हैं। अच्छी पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी साथी हैं। अच्छी पुस्तक सदैव योग्य पथ-प्रदर्शक बनकर जीवन को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। हमें सामूहिक रूप से पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। प्रदेश के युवा स्मार्टफोन पर समय देने के बजाय केवल 01 घण्टा रचनात्मक पुस्तकों को दें, तो उनका जीवन अधिक सकारात्मक और कल्याणकारी होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत ने दुनिया को विश्वविद्यालयों की एक श्रृंखला दी है। दुनिया के पहले विश्वविद्यालय, तक्षशिला विश्वविद्यालय का नाम भगवान श्रीराम के अनुज भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर पड़ा। इस विश्वविद्यालय में विज्ञान, गणित, साहित्य, खगोल तथा ज्योतिष के कई विद्वान थे। आयुर्वेद में सर्जरी के जनक सुश्रुत का सम्बन्ध भी तक्षशिला विश्वविद्यालय से था। पाणिनि का व्याकरण इसी विश्वविद्यालय से आगे बढ़ा। तक्षशिला विश्वविद्यालय को आक्रांताओं ने नष्ट कर दिया। वहां के प्रत्येक स्नातक के मुख पर बात होती थी कि अमन्त्रं अक्षरं नास्तिः अर्थात कोई भी अक्षर ऐसा नहीं, जिससे कोई मंत्र न बन सके। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि उसने अक्षर को कैसे शब्द बनाया है और शब्द का कैसे संयोजन किया है। यदि कोई अच्छा योजकरूपी पारखी मिल जाए, तो बेहतरीन तरीके से संजोकर अच्छी कृति दे सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें लेखन तथा चिन्तन प्रक्रिया को आत्म मंथन कर पुनः मजबूती से आगे बढ़ाना होगा। हमारे शिक्षण और धार्मिक केन्द्रों को इसका आधार बनना पड़ेगा। मौलिक कृति पर विचार तथा चिंतन होना चाहिए। मौलिक कृति के लिए किए गए प्रयास हमें यशस्वी बनाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने बच्चों से कहा कि स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी एक हद तक सहायक हो सकती है, लेकिन वह सब कुछ नहीं है। यदि आप डिजिटल लाइब्रेरी, वर्चुअल तथा डिजिटल क्लास के साथ जुड़े हैं, तो उसके लिए आवश्यक समय देने के बाद शेष चार से पांच घण्टे अपने पाठ्यक्रम तथा उससे इतर अच्छी पुस्तकों को दें। इससे सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। इस पुस्तक मेले में 250 से अधिक प्रकाशकों की हजारों पुस्तकें मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का कहना है कि 'व्हेन सिटीजन रीड्स, द कण्ट्री लीड्स'। जब लोग पढ़ेंगे, तो राष्ट्र आगे बढ़ेगा। पढ़ना और आगे बढ़ना भारत की परम्परा का हिस्सा रहा है। प्रधानमंत्री जी ने 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक स्वयं लिखी हैं। यदि बच्चे पुस्तक के प्रत्येक टॉकिंग प्वाइण्ट्स का मनन कर अंतःकरण में उतार लें, तो परीक्षार्थियों के मन से प्रतियोगी परीक्षाओं का डर दूर हो जाएगा। उन्हें सफलता की नई राह दिखाई देगी। पुस्तक में लिखे विचार को व्यवहार में उतारने से चुनौतियों का सामना करने का बल मिलेगा। यह पुस्तक महोत्सव प्रधानमंत्री जी के शिक्षा के कार्यक्रम को निरन्तरता प्रदान कर रहा है। आगामी नवम्बर माह में जनपद गोरखपुर में पुस्तक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।आज से प्रदेश में विभिन्न विभागों के सम्मिलित प्रयास से मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। हम मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलम्बन की थीम के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। मिशन शक्ति का पंचम चरण तथा गोमती पुस्तक मेले का चतुर्थ संस्करण साथ-साथ आगे बढ़ रहा है।

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश हमारे पूर्वजों के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21 सितम्बर, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' विषयक कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया था। उनका सपना था कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बने।

है कि पितृ विसर्जन का पावन पर्व हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर हम सब विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश संगोष्ठी का हिस्सा बन रहे हैं। यह हमारे पूर्वजों के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्वजों के सपनों को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद में उत्तर प्रदेश विजन डॉक्यूमेण्ट-2047 पर 24 घण्टे अनवरत चर्चा की गयी।

वर्तमान पीढ़ी को विकसित व आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की संकल्पना से अवगत कराने का क्रम अनवरत रूप से चल रहा है। विशेषज्ञों की टीमों द्वारा अब तक प्रदेश की 110 से अधिक अकादमिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं में युवाओं से संवाद बनाते हुए बहुमूल्य विचारों को आमंत्रित किया जा चुका है। 'समर्थ उत्तर प्रदेश' पोर्टल पर सभी नागरिक अपना सुझाव अवश्य दें। जनपद के विकास से जुड़े सर्वश्रेष्ठ 03 सुझाव को सम्मानित किया जायेगा। इसी प्रकार राज्य के विकास से जुड़े 05 सर्वश्रेष्ठ सुझावों को सम्मानित किया जायेगा। वर्तमान में लाखों की संख्या में सुझाव आ रहे है। इस पर पूरी टीम कार्य कर रही है। विकसित भारत में विकसित उत्तर प्रदेश अभियान में सभी सारथी बन सकते हैं।

देश में 60 फीसदी से अधिक भू-भाग उर्वरा है, जबकि अन्य बड़े देशो में उनके कुल भू-भाग का लगभग 20 प्रतिशत भाग ही कृषि योग्य है। भारत में 16 करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि है। रूस में 12 करोड़ हेक्टेयर एवं चीन में 12 करोड़ हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य है। विकसित देशों ने अपनी कृषि योग्य भूमि में तकनीक का उपयोग कर लागत कम करने तथा उत्पादन बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है।

भौगोलिक दृष्टि से वृहत्तर भारत में पाकिस्तान तथा बांग्लादेश सम्मिलित थे। भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा भू-भाग था। पहले भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, क्योंकि भारत विकसित था। विदेशी आक्रान्ता भारत के वैभव को देखकर ही यहां आये थे। 17वीं शताब्दी तक भारत कृषि और उद्योग क्षेत्र में दुनिया में नम्बर एक स्थान पर था। भारत ने दुनिया में कृषि उत्पादन के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में भी अपना स्थान बनाया था। उस समय दुनिया की जी0डी0पी0 में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था। 18वीं शताब्दी आते-आते भारत की क्षमता कम होती गयी। ब्रिटिश कालखण्ड में उद्योग बन्द हो गये। कृषि में लोगों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गयी।भारत के हस्तशिल्प व अन्य उद्योगां को हतोत्साहित किया गया। हस्तशिल्पियों एवं कारीगरों को प्रताड़ित किया गया। वर्ष 1947 आते-आते दुनिया की जी0डी0पी0 में भारत की हिस्सेदारी केवल 03 प्रतिशत रह गयी। देश का निर्यात लगभग शून्य हो गया था। भारत कपड़ा उत्पादन में कभी नम्बर एक पर था, अब यह उद्योग पतन की ओर पहुंच गया था, इन्हीं कारणों से भारत विफल होता गया।

उत्तर प्रदेश का भी कमोवेश यही हाल था। वर्ष 1947 में उत्तर प्रदेश, देश की अर्थव्यवस्था में 14 फीसदी योगदान के साथ पहले नम्बर पर था। वर्ष 1960 के बाद इसमें लगातार गिरावट आती गयी। गिरावट के इन कारकों पर वर्ष 2017 के बाद विचार प्रारम्भ किया गया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का हृदय स्थल है। यहां देश की सर्वाधिक आबादी निवास करती है। कृषि योग्य उर्वर भूमि औ र जल संसाधन के मामले में उत्तर

प्रदेश अत्यंत समृद्ध है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से वाराणसी तक समतल भूमि है। दुनिया में इतने अधिक क्षेत्रफल में समतल और उर्वरा भूमि देखने को नहीं मिलती। विकसित अर्थव्यवस्था में कृषि और उद्योग क्षेत्र के अनुपात में साम्यता होती है। आधी आबादी कृषि तथा आधी आबादी उद्योग में कार्य करती है। यदि हमारी निर्भरता केवल कृषि पर होगी, तो अर्थव्यवस्था विकसित नहीं हो पायेगी।प्रदेश सरकार द्वारा हर जनपद के उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये गये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि कोई समाज अपने परम्परागत उद्योग को हतोत्साहित करेगा, तो उसका विकास कभी नहीं हो पायेगा। आज प्रदेश में 96 लाख एम0एस0एम0ई0 इकाइयाँ क्रियाशील हैं। गोरखपुर में लोग टेराकोटा उद्यम से जुड़े हुए हैं। इस उद्योग को पुनर्जीवित करने के परिणामस्वरूप युवाओं को स्थानीय रोजगार प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले अयोध्या में दीपोत्सव हेतु प्रदेश के अन्य जनपदों से दीप मंगाने पड़ते थे। अयोध्या के कुम्हारों को यंत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

समाज के सभी तबकों के लिए विकसित भारत चर्चा-परिचर्चा का विषय बनना चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21 सितम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में सेवा पखवाड़ा-2025 के अवसर पर आयोजित 'प्रबुद्ध वर्ग संवाद' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों को शताब्दी संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया था। वर्ष 2047 में जब यह देश अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, उस समय का भारत आत्मनिर्भर और विकसित भारत होगा। विकसित भारत के निर्माण के लिए हमारे क्या कर्तव्य होने चाहिए, इस दृष्टि से प्रधानमंत्री जी ने से देशवासियों को पंचप्रण और 09 संकल्पों जोड़ा था। समाज के सभी तबकों के लिए विकसित भारत चर्चा-परिचर्चा का विषय बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत कभी दुनिया में बल, बुद्धि और वैभव में अग्रणी था। गुलामी के कालखंड में यहां के हुनर, विरासत तथा मान बिन्दुओं को एक-एक करके नष्ट किया गया। इसके पीछे यही भाव था कि हम अपनी विरासत पर कभी गर्व न कर सकें। इसके बावजूद भारत अपनी यात्रा को आगे बढ़ाता रहा। वर्ष 1998 में जब श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने भारत को गम्भीरतापूर्वक आगे बढ़ाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 भारत के परिवर्तन तथा नये भारत की दृष्टि से निर्णायक साबित हुआ। देश में श्री नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री चुना गया। आजादी के बाद से वर्ष 2014 के पहले तक भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था बन पाया था। वर्ष 2014 से अब तक भारत ने अर्थव्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य क्षेत्रों में एक लम्बी छलांग लगायी है। दुनिया में भारत ने अपने आप को सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था के रुप में स्थापित किया है। हाल ही में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने एक बड़े जी0एस0टी0 रिफॉर्म की घोषणा की। इसके मात्र 18 दिनों में जी0एस0टी0 काउन्सिल ने एक बड़ा रिफॉर्म सामने लाया। जी0एस0टी0 वन नेशन, वन मार्केट और वन टैक्स की अवधारणा पर आधारित है।जी0एस0टी0 के नये रिफॉर्म में अब केवल 05 व 18 प्रतिशत के स्लैब रह गए हैं। 12 व 28 प्रतिशत के स्लैब समाप्त कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश वासियों के सामने पहचान का संकट था। आज उत्तर प्रदेश के नाम से लोगों के चेहरे पर चमक आ जाती है। प्रदेश का परसेप्शन सकारात्मक हुआ है। लोगों को यह विश्वास हुआ है कि उत्तर प्रदेश भी विकसित उत्तर प्रदेश बनने की यात्रा पर निकल पड़ा है। जो उत्तर प्रदेश वर्ष 2017 के पहले देश के विकास का बैरियर और एक बीमारु राज्य था तथा सभी केन्द्रीय योजनाओं में पीछे रहता था, वही उत्तर प्रदेश आज बीमारु नहीं है, बल्कि सभी योजनाओं में या तो प्रथम स्थान पर है या टॉप 03 में है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि युवा, किसान, महिला, श्रमिक सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने कुछ नया किया है। हमने भ्रष्टाचार पर प्रहार किया और लीकेज को रोका। जी0एस0टी0 लागू होने के पूर्व, उत्तर प्रदेश में 17 प्रकार के टैक्स थे। अब केवल जी0एस0टी0 लगता है। पहले केवल 49 हजार करोड़ रुपये का टैक्स एकत्र होता था, गत वित्तीय वर्ष में यह बढ़कर 01 लाख 15 हजार करोड़ रुपये हुआ है। एक्साइज 12 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 55 हजार करोड़ रुपये हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब धन आया तो उसे प्रदेश के विकास तथा गरीब कल्याणकारी योजनाओं में लगाया गया। जिस प्रदेश की पहचान पहले वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया से थी, आज उसी प्रदेश की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट तथा वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज से बन रही है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12 लाख 75 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 35 से 36 लाख करोड़ रुपये होने जा रही है। प्रति व्यक्ति आय में तीन गुना बढ़ोत्तरी हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गांव में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो रही है। गांव में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लग रहे हैं, जिससे सेफ गांव की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस प्रकार हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हर सेक्टर में कार्य हो रहा है। यह विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश है।

ड्रगिस्ट्स, केमिस्ट्स एवं फार्मा क्षेत्र के सभी व्यवसायी समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 21 सितम्बर, 2025 को जनपद गोरखपुर में केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की आम वार्षिक बैठक एवं शैक्षणिक कार्यशाला में सम्मिलित हुए। उन्होंने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र लोगों के जीवन के साथ जुड़ा है। लोगों की जीवन से जुड़े होने के कारण सभी ड्रगिस्ट्स, केमिस्ट्स एवं अन्य फार्मा क्षेत्र के सभी व्यवसायियों के पास बड़ी जिम्मेदारी और जवाबदेही है। इस क्षेत्र के सभी व्यवसायियों की यह जिम्मेदारी है कि वह समाज में अपने विश्वास को बनाए रखें। वे समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दवाओं के प्रति लोगों में जो विश्वास है, वह हमें बनाए रखना है। इस व्यवसाय से जुड़े सभी सदस्यों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे किसी भी प्रकार की मिलावटी दवा या संवेदनशील नारकोटिक्स दवाओं के अवैध व्यापार में किसी भी प्रकार से सम्बन्धित नहीं रहेंगे। फेडरेशन की भी यह जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं के व्यापार में संलग्न लोगों का बहिष्कार करे और उनकी पहचान कर शासन-प्रशासन से कार्यवाही करवाएं। इसके लिए व्यापक जन जागरुकता की आवश्यकता है। मुझे अवगत कराया गया कि इस क्षेत्र में 01 लाख 10 हजार पंजीकृत दुकानें हैं। अर्थात इस क्षेत्र में 01 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष तथा लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। इसलिए यह मानव जीवन के साथ-साथ रोजगार के दृष्टि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार द्वारा अभी हाल में जनपद आगरा एवं अन्य स्थानों पर मेडिसिन के अवैध व्यापार में सलंग्न लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की गई है। प्रदेश सरकार सभी की भलाई के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा हाल ही में दवाओं में जी0एस0टी0 की छूट की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जी0एस0टी0 काउंसिल द्वारा जी0एस0टी0 स्लैब को 04 से कम करके 02 कर दिया गया है। जी0एस0टी0 की दरों में कमी की गई है। इससे अब उपभोक्ता को सस्ते में दवाएं एवं अन्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इससे न केवल उपभोक्ता बल्कि व्यवसायियों को भी लाभ प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में भारत में व्यापक संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश को फार्मा हब बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न नीतियों के माध्यम से अनेक कार्यक्रमों को शुरु किया गया है। प्रदेश में जनपद ललितपुर में फार्मा पार्क का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण अब अंतिम चरण है। सरकार की मंशा है कि उत्तर प्रदेश में सभी प्रकार की दवाओं का निर्माण हो। यहीं दवा बने और यहीं के लोगों के उपयोग के लिए वह उपलब्ध हो। यह कार्य तभी आसान होगा, जब इसमें जनता का विश्वास समाहित होगा। इससे प्रदेश में रोजगार की संभावनाओं को भी निखारा जा सकेगा। सरकार की मंशा उत्तर प्रदेश को फार्मा क्षेत्र में निर्यात का हब बनाने की है। इस क्षेत्र में फेडरेशन जो भी उपभोक्ता अनुकूल कदम बढ़ाएगा, तो सरकार हर कदम पर उसके साथ खड़ी रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश की सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र पर प्रदेश सहित अन्य पड़ोसी राज्यों की जनता भी निर्भर है। इस कार्य में सभी ड्रगिस्ट्स एवं केमिस्ट्स की भी जिम्मेदारी अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाती है। इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की यह जिम्मेदारी है कि वह सरकार द्वारा लाइसेंस लेकर वैध तरीके से ही व्यवसाय करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर कदम बढ़ा रही है। गोरखपुर में आज इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश बधाई का पात्र है।

भारत का पैसा भारत के कारीगरों, हस्तशिल्पियों और युवाओं के हाथों में जाना चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 सितम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' कार्यक्रम को सम्बोधित किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' कार्यक्रम विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने तथा उसकी आधारशिला को सुदृढ़ करने का अभियान है। स्वदेशी अब केवल एक नारा नहीं है। स्वदेशी अब केवल खादी वस्त्रों तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वदेशी की अवधारणा को विराट और व्यापक रूप दिया है। हमारी सरकार देश में सूई से लेकर समुद्री मालवाहक जहाजों के निर्माण तक और फाउण्टेन पेन से लेकर के एयरोप्लेन का निर्माण कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने शारदीय नवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि जो सामान भारत में निर्मित हो, जिसमें भारत के श्रमिकों का पसीना लगा हो और जिसके निर्माण में देश की युवा शक्ति की प्रतिभा लगी हो, वह हमारे लिए स्वदेशी है। मेक इन इण्डिया, मेक फॉर द वर्ल्ड अर्थात् भारत के द्वारा पूरी दुनिया के लिए बनाया गया उत्पाद, जो दुनिया के लिए उपयोगी हो और दुनिया उसका अनुसरण करने के लिए मजबूर हो, वह सभी हमारे लिए स्वदेशी है। इस स्वदेशी को हम अपने जीवन का हिस्सा बना सकें, यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस अभियान में आप सभी को अपना योगदान देना है। इसलिए यह संगोष्ठी अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का कहना है कि जो भी उत्पाद भारत के श्रमिकों के श्रम से बना हो, हमारे युवाओं की प्रतिभा से आगे बढ़ा हो, जो भारत की धरती पर भारत के उद्यमी, व्यापारी, श्रमिक, युवा इन सबके सामूहिक प्रयास बना हो, उसे स्वदेशी मानने के लिए हमें एक-एक व्यक्ति को तैयार करना है। इसी उत्पाद को खरीदने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। वर्तमान में भारत दुनिया में सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी है। देश की 140-145 करोड़ की आबादी को कोई नकार नहीं सकता है। जब हमारा नागरिक भारत में बना हुआ कोई भी उत्पाद खरीदेगा, तो भारत का पैसा देश के विकास में लगेगा और यहां की समृद्धि का कारण बनेगा। स्वदेशी के प्रयोग के बारे में अवगत कराना एक राष्ट्रीय कार्य है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का पैसा जब विदेशों में चला जाएगा, तब वह फिर देश में आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को भड़काने में प्रयोग होगा तथा और अव्यवस्था पैदा करने के लिए उस धन का दुरुपयोग होगा। इसलिए भारत का पैसा भारत के कारीगरों, हस्तशिल्पियों और युवाओं के हाथों में जाना चाहिए। हमें इस अभियान का हिस्सा बनना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमने उत्तर प्रदेश में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना की शुरुआत की थी। देश में यह योजना अब तक की सफलतम योजनाओं में से एक है। प्रदेश के सभी 75 जनपदों के एक यूनिक प्रोडक्ट हैं। मेरठ खेल के सामान, आगरा, कानपुर व उन्नाव चमड़े के सामान, भदोही के कारपेट, वाराणसी की सिल्क की साड़ियां, फिरोजाबाद के ग्लास के आइटम, खुर्जा के चीनी मिट्टी के बर्तन, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा शिल्प, दुनिया का सबसे अच्छा चावल सिद्धार्थनगर का काला नमक चावल, प्रतापगढ़ का आंवला, आगरा का पेठा सहित सभी जनपदों का कोई न कोई विशिष्ट उत्पाद हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी गांव तथा जनपद में स्वदेशी मेले लगाये जाने चाहिए। एम0एस0एम0ई0 विभाग भी इसमें सहयोग करेगा। दीपावली के पहले हमारा प्रयास रहता है कि हर जनपद में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और स्थानीय उत्पादों का मेला लगे। जनपद स्तर पर अभी से इसकी प्लानिंग कर लेनी चाहिए। दीपावली 19 और 20 अक्टूबर को है। 10 से 18 अक्टूबर के बीच में एक सप्ताह के मेले की अभी से प्लानिंग कर लें, तो बड़े पैमाने पर अच्छे कार्यक्रम हो सकते हैं। इससे स्थानीय उद्यमियों और व्यापारियों को लाभ होता है और लोग विदेशी उत्पाद को खरीदने से बचते हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और खादी के प्रोडक्शन से लेकर के डिफेंस प्रोडक्शन तक अपनी ताकत का भरपूर इस्तेमाल कर रहा है। अन्नदाता किसान खुशहाल हैं। उन्हें लागत का डेढ़ गुना से अधिक दाम मिल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज ग्रेटर नोएडा के इण्डिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 'यू0 पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-3.0' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से 25 सितम्बर 2025 को नोएडा के एक्सपो मार्ट में जापानी प्रतिनिधि मंडलो ने मुलाकात कर वैश्विक सम्बन्धों को मजबूती प्रदान की ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी नोएडा एक्सपो मार्ट में रूस के प्रतिनिधिमंडल के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता पर वार्ता करते हुए।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित